



No. of Questions – 20

No. of Printed Pages – 11

**S-01-Hindi****माध्यमिक परीक्षा, 2024****SECONDARY EXAMINATION, 2024****हिन्दी**

समय : 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

- (1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।
- (2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।
- (3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।
- (4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।
- (5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

12 × 1 = 12

(i) 'रसिया' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है

(अ) एरा

(ब) इया

(स) आर

(द) ई

(ii) 'गुण स्वर सन्धि' का सही उदाहरण है

(अ) रमेश

(ब) विद्यालय

(स) मतैक्य

(द) नीरोग

(iii) 'उत्साह' कविता के कवि हैं

(अ) नागार्जुन

(ब) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(स) सूरदास

(द) जयशंकर प्रसाद

(iv) 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' की भाषा है

(अ) खड़ी बोली

(ब) ब्रज

(स) राजस्थानी

(द) अवधी

(v) गोपियों ने भ्रमर के बहाने किस पर व्यंग्य बाण छोड़े हैं ?

(अ) उद्धव

(ब) कृष्ण

(स) नंद

(द) कंस

(vi) नागार्जुन का जन्म हुआ था

(अ) बिहार

(ब) बंगाल

(स) राजस्थान

(द) उत्तरप्रदेश

(vii) 'कैप्टन' किसका नाम था ?

(अ) चश्मे वाला

(ब) पान वाला

(स) हालदार साहब

(द) नेताजी

(viii) 'लखनवी अंदाज' व्यंग्य के लेखक हैं

(अ) यशपाल

(ब) मन्नू भंडारी

(स) स्वयं प्रकाश

(द) यतीन्द्र मिश्र

(ix) 'बालगोबिन भगत' पाठ की विधा है

(अ) व्यंग्य

(ब) कहानी

(स) रेखाचित्र

(द) निबंध

(x) संस्कृति का परिणाम है

(अ) अपसंस्कृति

(ब) सभ्यता

(स) अशिष्टता

(द) विभाजन

(xi) हमारे समाज में 'नाक' प्रतीक है

(अ) सुंदरता का

(ब) संस्कृति का

(स) इज्जत का

(द) समाज का

(xii) हिन्दी का पहला आंचलिक उपन्यास माना जाता है

(अ) जॉर्ज पंचम की नाक

(ब) देहाती दुनिया

(स) आपका बंटी

(द) रामचरितमानस

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

6 × 1 = 6

- (i) किसी भाव, अवस्था, गुण अथवा दशा के नाम को \_\_\_\_\_ संज्ञा कहते हैं।
- (ii) वे शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें \_\_\_\_\_ कहते हैं।
- (iii) वे क्रियाएँ जिनके साथ कर्म प्रयुक्त नहीं होता, उसे \_\_\_\_\_ क्रिया कहते हैं।
- (iv) वे \_\_\_\_\_ शब्द, जो दो शब्दों, वाक्यांशों या वाक्यों को जोड़ते हैं, उन्हें समुच्चयबोधक अव्यय कहते हैं।
- (v) वे शब्दांश जो किसी शब्द के \_\_\_\_\_ में लगकर नये अर्थ का बोध करवाते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं।
- (vi) हिन्दी में उपसर्ग \_\_\_\_\_ प्रकार के होते हैं।

3. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

6 × 1 = 6

वर्तमान में राष्ट्र को शारीरिक दृष्टि से मजबूत, निर्भय तथा ऐसे नवयुवकों की आवश्यकता है जो अपने आप में, अपनी शक्ति में विश्वास करते हों। विवेकानन्द की दृष्टि से नास्तिक वह है जो अपने आप में विश्वास नहीं करता। भारत के राष्ट्रीय आदर्श त्याग और सेवा को अपनाकर गरीबों, भूखों और पीड़ितों की सेवा में अपने को अर्पित करना ही राष्ट्र की सबसे बड़ी सेवा है। राष्ट्र भक्ति कोरी भावना नहीं है, उसका आधार विवेक और प्रेम है जिसकी अभिव्यक्ति विवेकपूर्ण कार्य करते हुए बाहरी भेद-भाव को भूलकर हर एक मनुष्य से प्रेम करने में देखी जा सकती है। विवेकानन्द के उपदेश का ध्येय वाक्य है, 'उठो, जागो और तब तक रुको नहीं जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाये'।

- (i) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। (1)
- (ii) वर्तमान में कैसे युवाओं की आवश्यकता है ? (1)
- (iii) राष्ट्र की सबसे बड़ी सेवा क्या है ? (1)
- (iv) विवेकानन्द के उपदेश का ध्येय वाक्य क्या है ? (1)
- (v) राष्ट्र भक्ति की भावना का आधार किसे माना गया है ? (1)
- (vi) 'आस्तिक' शब्द का विपरीतार्थक शब्द गद्यांश में से छाँटकर लिखिए। (1)

4. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

6 × 1 = 6

है कौन ! विघ्न ऐसा जग में, टिक सके आदमी के मग में,

खम ठोक ठेलता है जब नर, पर्वत के जाते पाँव उखड़ ।

मानव जब जोर लगाता है,

पत्थर पानी बन जाता है ।

गुण बड़े एक से एक प्रखर, हैं छिपे मानवों के भीतर,

मेंहदी में जैसे लाली हो, बर्तिका बीच उजियाली हो ।

बत्ती जो नहीं जलाता है,

रोशनी नहीं वह पाता है ।

(i) प्रस्तुत पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

(1)

(ii) आदमी के मग में कौन नहीं टिक सकता है ?

(1)

(iii) पत्थर कब पानी बन जाता है ?

(1)

(iv) रोशनी किसे नहीं मिलती ?

(1)

(v) पर्वत के पाँव कब उखड़ जाते हैं ?

(1)

(vi) मेंहदी के बीच क्या छिपा है ?

(1)

## खण्ड - ब

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

7 × 2 = 14

5. शहनाई और डुमराँव एक-दूसरे के लिए किस प्रकार उपयोगी हैं ? (2)
6. हालदार साहब ने जब नेताजी की मूर्ति को पहली बार देखा तो उनकी दृष्टि में क्या बात खटकती थी ? (2)
7. छोटे बच्चे की मनोहारी मुसकान देखकर कवि के मन में क्या भाव उमड़ते हैं ? - 'यह दंतुरित मुसकान' कविता के आधार पर समझाइए । (2)
8. 'उत्साह' कविता का मूल भाव लिखिए । (2)
9. गैंगटॉक शहर को देखकर लेखिका को क्या अनुभूति हुई ? (2)
10. साँप निकलने पर पानी फेंकते बच्चों की क्या प्रतिक्रिया हुई ? 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर समझाइए । (2)
11. 'नमक-मिर्च लगाना' मुहावरे का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए । (2)

12. निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :  $4 \times 1 = 4$

आग के आविष्कार में कदाचित पेट की ज्वाला की प्रेरणा एक कारण रही। सूई-धागे के आविष्कार में शायद शीतोष्ण से बचने तथा शरीर को सजाने की प्रवृत्ति का विशेष हाथ रहा। अब कल्पना कीजिए उस आदमी की जिसका पेट भरा है, जिसका तन ढँका है, लेकिन जब वह खुले आकाश के नीचे सोया हुआ रात के जगमगाते तारों को देखता है, तो उसको केवल इसलिए नींद नहीं आती क्योंकि वह यह जानने के लिए परेशान है कि आखिर यह मोती भरा थाल क्या है? पेट भरने और तन ढँकने की इच्छा मनुष्य की संस्कृति की जननी नहीं है। पेट भरा और तन ढँका होने पर भी ऐसा मानव जो वास्तव में संस्कृत है, निठल्ला नहीं बैठ सकता। <https://www.rajasthanboard.com>

- (i) आग के आविष्कार में क्या प्रेरणा रही होगी ? (1)
- (ii) शरीर को सजाने की प्रवृत्ति किसके आविष्कार का कारण बनी ? (1)
- (iii) खुले आकाश के नीचे सोए व्यक्ति को नींद क्यों नहीं आती ? (1)
- (iv) वास्तव में संस्कृत मानव क्या नहीं कर सकता ? (1)

अथवा

आज़ाद हिंद फौज के मुकदमे का सिलसिला था। सभी कॉलिजों, स्कूलों, दुकानों के लिए हड़ताल का आह्वान था। जो-जो नहीं कर रहे थे, छात्रों का एक बहुत बड़ा समूह वहाँ जा-जाकर हड़ताल करवा रहा था। शाम को अजमेर का पूरा विद्यार्थी वर्ग चौपड़ (मुख्य बाज़ार का चौराहा) पर इकट्ठा हुआ और फिर हुई भाषणबाज़ी।

- (i) हड़ताल का आह्वान किस सिलसिले में किया गया था ? (1)
- (ii) जो हड़ताल नहीं कर रहे थे उनके प्रति क्या प्रतिक्रिया थी ? (1)
- (iii) शाम को विद्यार्थी वर्ग कहाँ इकट्ठा हुआ ? (1)
- (iv) विद्यार्थियों के इकट्ठा होने के बाद क्या हुआ ? (1)

13. प्रस्तुत पठित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

4 × 1 = 4

ऊधौ, तुम हो अति बड़भागी ।

अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी ।

पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी ।

ज्यों जल माँह तेल की गागरि, बूँद न ताकों लागी ।

- (i) गोपियों ने किसे बड़भागी कहा है ? (1)
- (ii) उसे बड़भागी क्यों कहा गया है ? (1)
- (iii) 'पुरइनि पात' से क्या अभिप्राय है ? (1)
- (iv) तेल की गागरि पानी में डुबोने पर क्या होता है ? (1)

अथवा

मधुप गुन-गुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,

मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी ।

इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास

यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य-मलिन उपहास

- (i) मधुप गुन-गुना कर क्या कह रहा है ? (1)
- (ii) पत्तियाँ क्यों गिर रही हैं ? (1)
- (iii) अनंत नीलिमा में क्या छिपा है ? (1)
- (iv) 'व्यंग्य-मलिन उपहास' से क्या तात्पर्य है ? (1)



14. "हालदार साहब भावुक हैं। इतनी-सी बात पर उनकी आँखें भर आईं।"

हालदार साहब की आँखें क्यों भर आईं ? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

( उत्तर सीमा लगभग 50-60 शब्द )

3

अथवा

'लखनवी अंदाज' व्यंग्य में लेखक ने किस वर्ग पर कटाक्ष किया है ? ( उत्तर सीमा लगभग 50-60 शब्द )

3

15. "सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरि करनी करि करिअ लराई।"

पंक्ति के आधार पर बताइए परशुराम ने राम के किस कार्य को शत्रु के कार्य के समान बताया है।

( उत्तर सीमा लगभग 50-60 शब्द )

3

अथवा

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' रचित कविता 'अट नहीं रही है' में वर्णित फागुन की मादकता का वर्णन कीजिए। ( उत्तर सीमा लगभग 50-60 शब्द )

3

16. तुलसीदास जी के कृतित्व एवं व्यक्तित्व के बारे में लिखिए। ( उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द )

4

अथवा

यशपाल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में लिखिए। ( उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द )

4

17. "जाने कितना त्रयण है हम पर इन नदियों का, हिम शिखरों का ।" 'साना-साना हाथ जोड़ि' - पाठ के आधार पर बताइए कि मणि ने ऐसा क्यों कहा होगा । ( उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द ) 4

अथवा

'एक दिन मैंने हिरोशिमा पर कविता लिखी - जापान में नहीं, भारत लौटकर रेलगाड़ी में बैठे-बैठे ।' अज्ञेय ने हिरोशिमा में तत्काल कुछ न लिखकर, भारत लौटने पर कविता क्यों लिखी ? ( उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द ) 4

18. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए : 6

(1) कन्या भ्रूण-हत्या - सामाजिक अभिशाप

- (i) प्रस्तावना
- (ii) कन्या भ्रूण-हत्या के कारण
- (iii) कन्या भ्रूण-हत्या के दुष्परिणाम
- (iv) कन्या भ्रूण-हत्या रोकने के उपाय
- (v) उपसंहार

(2) शिक्षा के क्षेत्र में मोबाइल की उपयोगिता

- (i) प्रस्तावना
- (ii) मोबाइल का शिक्षा के क्षेत्र में उपयोग
- (iii) मोबाइल प्रयोग के दुष्परिणाम
- (iv) छात्रों पर मोबाइल का प्रभाव
- (v) उपसंहार

## (3) बढ़ता ध्वनि प्रदूषण

- (i) प्रस्तावना
- (ii) ध्वनि प्रदूषण का अर्थ
- (iii) ध्वनि प्रदूषण के कारण व दुष्परिणाम
- (iv) ध्वनि प्रदूषण रोकने के उपाय
- (v) उपसंहार

## (4) मेरे जीवन की अविस्मरणीय घटना

- (i) प्रस्तावना
- (ii) घटना का वर्णन
- (iii) घटना के अविस्मरणीय होने का कारण
- (iv) उपसंहार

19. स्वयं को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नाहरपुरा का छात्र राहुल मानकर अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य से विद्यालय में पुस्तकालय सप्ताह मनाए जाने हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए।

4

अथवा

स्वयं को रामगढ़ निवासी अर्जुन मानते हुए अपने मित्र राकेश को जीवन में अनुशासन का महत्त्व बताते हुए एक पत्र लिखिए।

4

20. महिला उद्यमिता केन्द्र द्वारा बनाये गए अचार व पापड़ की बिक्री हेतु एक विज्ञापन लिखिए।

4

अथवा

विद्यालय में छात्रों द्वारा अनुपयोगी वस्तुओं से निर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी देखने के लिए एक विज्ञापन लिखिए।

4